डॉ० विजय प्रकाश का जीवन वृत (संक्षेप)

1. असाधारण शैक्षणिक कैरियर । हमेशा प्रथम स्थान एवं सर्वश्रेष्ठ छात्र। **एम०आर०सी०पी०** को भी सिर्फ चार महीना में पूरा करना।
2. 30 बर्षों से ज्यादा पटना मेडिकल कॉलेज में **शिक्षण का कार्य**।
3. राज्य में गैस्ट्रोइन्ट्रोलॉजी विशेषज्ञता को स्थापित करने एवं उसके प्रचार–प्रसार में **अहम योगदान।**
4. चिकित्सा शिक्षा से सम्बन्धित देश की दोनो नियामक संस्थाओं (**मेडिकल काउंसिल** एवं **नेशनल बोर्ड**) में लम्बे समय तक रहकर **रचनात्मक योगदान।**
5. विश्वविद्यालयों एवं IGIMS के **शीर्ष शासी निकायों के सदस्य** रहकर योगदान।
6. **पी०जी०आई०** चंडीगढ़ जैसी ख्यातिप्राप्त संस्था के **एकेडमिक कमिटि के सदस्य** रहे।
7. अनेक शोध पत्रों का **प्रकाशन** एवं **मार्गदर्शन।**
8. सामाजिक एवं लोकोपयोगी कार्यों में **अग्रणी भूमिका।**
9. राज्य स्तर पर **अनेकों पुरस्कार** से **सम्मानित**।
10. विभन्न पत्र पत्रिकाओं में इनपर **अनेकों आलेख**।
11. **इनपर** एक **पुस्तक लिखी गयी** एवं एक अन्य पुस्तक में **इनपर एक अध्याय** लिखा गया है।
12. वर्ष 2003 में भारत सरकार द्वारा **"पद्मश्री"** से सम्मानित।
13. परिवार –

पत्नी – डॉ0 रश्मि सिंह – 30 बर्षों से ज्यादा शिक्षण कार्य एवं उसके बाद पटना मेडिकल कॉलेज में कम्युनिटि मेडिसिन विभागाध्यक्ष के पद से सेवा निवृत

पुत्र – रवि

पुत्री – डॉ0 ऋतु सिंह – आई.जी.आई.एम.एस. के क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में सह प्राध्यापक

जमाता – डॉ0 साकेत कुमार आई.जी.आई.एम.एस. के गैस्ट्रोसर्जरी विभाग में एडिशनल प्राध्यापक।